

## Padma Shri



### DR. VEERASWAMY SESHIAH

Dr. Veeraswamy Seshiah is a distinguished professor of Tamilnadu Dr. MGR Medical University for life time. He is the founder patron of Diabetes in Pregnancy Study Group in India (DIPSI) and Vice-chair of International Association of Diabetes in Pregnancy Study Group.

2. Born on 10<sup>th</sup> March, 1938, Dr. Seshiah obtained his M.B.B.S degree in 1962. He joined the Army Medical Corps in 1963 and took part in Indo Pak War at URI in 1965. In recognition of his service in the war theatre, he was awarded "Samar Seva Star 1965" and "Sainya Seva Medal" with clasp Himalayas. After returning from Army service, he joined Tamilnadu Medical Service. He obtained Post Graduate Degree of MD (General Medicine), then he was posted as Assistant Professor Medicine in Madras Medical College.

3. During his service, Dr. Seshiah realized the importance of Diabetes as a significant health problem and he started the Department of Diabetology, a first of its kind in the country in 1978. He also realized the problem of Diabetes during pregnancy and he started Diabetes and pregnancy division in the Institute of Obstetrics and Gynecology, Govt. Maternity Hospital, Chennai in 1980 first time in the country. He started a "Post graduate course in Diabetology"; which has been recognized by the Medical Council of India in 1985. He hypothesized that increase in the prevalence of diabetes is likely to be due to undiagnosed and untreated Gestational diabetes mellitus (Diabetes detected during pregnancy). Women diagnosed to have Gestational diabetes are at increased risk of developing diabetes in the future as are their children, "Transgeneration transmission occurs". He believed that diagnosing and taking care of women with gestational diabetes would prevent the epidemic of diabetes the country is facing. In early 2000 the prevalence of gestational diabetes was not known in the country. His pioneering effort was to launch "Diabetes in pregnancy awareness and prevention project" supported by the Government of Tamilnadu and World Diabetes Foundation.

4. Dr. Seshiah introduced economical and evidence based "Single Test Procedure" for diagnosing gestational diabetes. This information was published in the international journal of Acta Diabetologia. After this publication, DIPSI approved this guidelines and Ministry of Health & Family Welfare, Government of India gave instruction to follow this single test procedure in the country. Now World Health Organization has also approved this diagnostic procedure. He published and edited many books and articles. Among them the most important is "Handbook on Diabetes Mellitus", a popular book among medical professionals. His birthday 10<sup>th</sup> March is observed as National GDM Awareness Day declared by Ministry of Health & Family Welfare, Govt of India, in recognition of his service in Diabetes and Pregnancy.

5. Dr. Seshiah received a number of awards. To mention a few are Distinguished member award of the association of physicians of India; Master Teacher award of the Indian college of Physicians; Doctor of science (Honoris causa) Award from Tamilnadu Dr. MGR. Medical University, Chennai; Fellowship of Royal college of Physicians, Glasgow; Lifetime Achievement award by Tamilnadu Dr. MGR. Medical University, Chennai. He was also awarded the most coveted Dr. B.C. Roy award in 1988, the highest award given to medical professionals.

## पद्म श्री



### डॉ. वीरास्वामी सेशिया

डॉ. वीरास्वामी सेशिया तमिलनाडु के डॉ. एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी के आजीवन प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं। वह डायबिटीज इन प्रेग्नेंसी स्टडी ग्रुप इन इंडिया (डीआईपीएसआई) के संस्थापक संरक्षक और इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डायबिटीज इन प्रेग्नेंसी स्टडी ग्रुप के उपाध्यक्ष हैं।

2. 10 मार्च, 1938 को जन्मे, डॉ. सेशिया ने 1962 में अपनी एम.बी.बी.एस. की डिग्री प्राप्त की। वह 1963 में आर्मी मेडिकल कोर में शामिल हुए और 1965 में उरी में भारत-पाक युद्ध में हिस्सा लिया। युद्ध के दौरान उनकी सेवाओं के सम्मान स्वरूप उन्हें 'समर सेवा स्टार 1965' और 'सैन्य सेवा मेडल' प्रदान किया गया। सैन्य सेवा से लौटने के बाद, वह तमिलनाडु मेडिकल सेवा में शामिल हो गए। उन्होंने एमडी (जनरल मेडिसिन) की पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री हासिल की, जिसके बाद उन्हें मद्रास मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिसिन नियुक्त किया गया।

3. अपनी सेवा के दौरान, डॉ. सेशिया ने महसूस किया कि डायबिटीज एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या है और उन्होंने 1978 में डिपार्टमेंट ऑफ डायबिटोलॉजी शुरू किया, जो देश में अपनी तरह का पहला विभाग था। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज की समस्या को भी पहचाना और 1980 में देश में पहली बार प्रसूति और स्त्री रोग संस्थान, सरकारी मैटरनिटी अस्पताल, चेन्नई में डायबिटीज एंड प्रेग्नेंसी डिवीजन शुरू किया। उन्होंने 1985 में 'डायबिटोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स' शुरू किया जिसे भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा मान्यता दी गई। उन्होंने अनुमान लगाया कि मधुमेह में बढ़ोत्तरी, अनियंत्रित और अनुपचारित जेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस (गर्भावस्था के दौरान होने वाला मधुमेह) के कारण हो सकती है। जिन महिलाओं को गर्भावस्था में डायबिटीज होने का पता चलता है, उन्हें भविष्य में मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है, साथ ही उनके बच्चों में भी, "ट्रांसजेनरेशन ट्रांसमिशन" होता है। उनका मानना था कि गर्भावस्था में डायबिटीज से पीड़ित महिलाओं का निदान और देखभाल करने से देश में मधुमेह की महामारी पर रोक लगाई जा सकती है। 2000 की शुरुआत में देश में गर्भावस्था में होने वाली डायबिटीज के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। तमिलनाडु सरकार और वर्ल्ड डायबिटीज फाउंडेशन के सहयोग से "गर्भावस्था में मधुमेह के प्रति जागरूकता और रोकथाम परियोजना" शुरू करना, उनका एक अग्रणी प्रयास था।

4. डॉ. सेशिया ने गर्भावस्था के दौरान होने वाली डायबिटीज के निदान के लिए एक किफायती और प्रमाण आधारित "सिंगल टेस्ट प्रोसीजर" की शुरुआत की। यह जानकारी एकटा डायबिटोलॉजिया के अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुई थी। इस प्रकाशन के बाद, डिप्सी (DIPSI) ने इस दिशा-निर्देश को मंजूरी दी और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में इस सिंगल टेस्ट प्रोसीजर पर अमल करने का निर्देश दिया। अब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस डायग्नोस्टिक प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कई किताबें और लेख प्रकाशित और संपादित किए। उनमें सबसे महत्वपूर्ण "हैंडबुक ऑन डायबिटीज मेलिटस" है, जो चिकित्सा पेशेवरों के बीच एक लोकप्रिय पुस्तक है। उनका जन्मदिन 10 मार्च, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मधुमेह और गर्भावस्था से संबंधित उनकी सेवा के सम्मान में घोषित नेशनल जीडीएम अवेयरनेस डे के रूप में मनाया जाता है।

5. डॉ. सेशिया को कई पुरस्कार मिल चुके हैं। उनमें से कुछ, भारतीय चिकित्सक संघ का विशिष्ट सदस्य पुरस्कार; इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन का मास्टर टीचर अवार्ड; डॉ. एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस (मानद डिग्री) अवार्ड; रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, ग्लासगो की फ़ैलोशिप; तमिलनाडु डॉ. एमजीआर मेडिकल यूनिवर्सिटी, चेन्नई द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार हैं। उन्हें 1988 में चिकित्सा पेशेवरों को दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार प्रतिष्ठित डॉ. बी. सी. रॉय पुरस्कार भी प्रदान किया गया।